सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 143 | मार्च : 2022

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

8 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

16 आर्थिक घटना संग्रह

- विश्व आर्थिक स्थिति एवं सम्भावनाएं 2022
- 2030 तक भारत होगा एशिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था
- आरबीआई की भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति-प्रगति पर रिपोर्ट 2020-21 जारी

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पूरे देश में मनाया गया 73वाँ गणतंत्र दिवस
- भारतीय सेना ने 89 Apps पर लगाया बैन
- प्रधानमंत्री मोदी ने 13 परियोजनाओं का उद्घाटन और 9 का किया शिलान्यास

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध की आशंका
- फिलीपींस ने बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाया
- 2022 में वैश्विक बेरोजगारी का स्तर 207 मिलियन होने का अनुमान

30 खेल खिलाड़ी

- मिशन ओलम्पिक सेल ने टॉप्स सूची में 10 एथलीटों को जोड़ा
- भारत ने जीता एसीसी अंडर–19 एशिया कप 2021
- पी.वी. सिंधु ने सैयद मोदी बैडमिंटन 2022 का खिताब जीता

33 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

36 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 **द्विपक्षीय सम्बन्ध लेख**–भारत-अमरीका व्यापार सम्बन्ध में सुदृढ़ीकरण

40 **सामरिक लेख**–आसमान में ही दुश्मनों की कब्र बनाएगी एस-400 रक्षा प्रणाली

41 **जल-प्रबंधन लेख**–जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग

44 **पुरुषार्थ-प्रेरक लेख**–अच्छा समय स्वतः नहीं आता, लाना पड़ता है

45 **प्रौद्योगिकी लेख**–इंटरनेट की दुनिया का सबसे बड़ा हथियार है गूगल

46 **आध्यात्मिक लेख**–वैदिक राष्ट्रवाद में निहित है जगत् को एक परिवार मानने का विचार

48 **सामयिक लेख**–हरित क्रांति में पुनर्जागरण की आवश्यकता

75 **वर्षांत समीक्षा 2021 :** नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-140 का परिणाम**

82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

49 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल (टियर-I) परीक्षा, 2020

58 राजस्थान एस.एस.सी. शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (ग्रेड-III) सीधी भर्ती परीक्षा, 2018

64 उत्तराखण्ड समूह 'ग' परीक्षा, 2021

मॉडल हल

69 आगामी उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस :	1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार को आप ही समाप्त कर सकते हैं

> *Without Strong Watchdog Institutions, Impunity becomes the very foundation upon which systems of corruption are built.*
>
> ***—Rigoberta Menchu Tum***
> ***Nobel Prize Laureate***

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद व्यवहार ने हमारे सामाजिक वातावरण में एक विचित्र प्रकार की सुगन्ध उत्पन्न कर दी थी, परन्तु वह स्थिति बहुत ही अल्पकालीन रही. केन्द्र सरकार में जीप घोटाले की खबरें फैलीं. सब लोग अनुमान लगा रहे थे कि केन्द्रीय मंत्री श्री मैनन को काफी कड़ी सजा मिलेगी, क्योंकि पं. जवाहरलाल नेहरू अपने व्याख्यानों में प्रायः कहा करते थे कि भ्रष्ट व्यक्ति को निकटतम बिजली के खम्भे से लटकाकर फाँसी दे देनी चाहिए, परन्तु इस प्रकार के सब अनुमान हवा में उड़ गए, जब यह सुनने में आया कि मामला दबा दिया गया है, क्योंकि नेहरूजी के निकटतम व्यक्ति का मामला था.

हरिद्वार में गंगा-जल के प्रदूषित होने का परिणाम तो यह होना ही था कि प्रयाग और काशी में गंगा-जल की शुद्धता असम्भव हो जाए. भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया. सरकारी तौर पर कहा जाने लगा—अन्य देशों में व्याप्त भ्रष्टाचार की अपेक्षा हमारे देश में भ्रष्टाचार काफी कम है, जनता और समाचार-पत्र बात का बतंगड़ और तिल का ताड़ बना देते हैं. दाल में नमक तो चलता ही है.

इस प्रकार संरक्षण-प्राप्त भ्रष्टाचार के फलस्वरूप चीन के विरुद्ध भारत को लज्जा-जनक पराजय का मुँह देखना पड़ा. यह भ्रष्टाचार की प्रथम परिणति थी. उसकी द्वितीय परिणति देखने को तब मिली, जब हमारे एक अति उच्च पदस्थ सरकारी अफसर ने कहा—यदि कोई कर्मचारी सुविधा शुल्क लेकर काम कर देता है, तो वह भ्रष्ट नहीं कहा जाना चाहिए, वह भ्रष्ट तब माना जाएगा, जब सुविधा शुल्क लेकर पीठ फेर ले. उन्हीं दिनों प्रधानमंत्री के रूप में स्व. राजीव गांधी ने स्वीकार किया कि—जब हम एक रुपया देते हैं, तब सम्बन्धित व्यक्ति के पास केवल 10 पैसे पहुँचते हैं. शेष 90 पैसे रास्ते में ही रह जाते हैं. इस दाल में नमक वाली स्थिति भैंस समेत खोआ करने में बदल गई और द्वितीय चरण की परिणति तब हो गई जब हमारे प्रधानमंत्री घोटालों के दायरे में आ गए.